University in News on 06 April 2024

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू के छात्र जनजातियों के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में भूगोल के विद्यार्थी अब विदेशी और भारतीय जनजातियों के बारे में भी पढ़ेंगे। इसके लिए स्नातक के सातवें सेमेस्टर में सांस्कृतिक भूगोल का प्रश्न पत्र जोड़ा गया है। साथ ही कई अन्य तरह के बड़े बदलाव हुए हैं।

एलयू में भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीए भूगोल के पाठ्यक्रम को मौजूदा डिमांड के अनुसार तैयार किया गया है। सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल का पेपर चार क्रेडिट का है। प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को भारतीय जनजातियों भील, गोंड, टोडा और नागा के बारे में पढ़ाया जाएगा। जबकि विदेशी जनजातियों एस्किमो, पिग्मी और बुशमैन का भी छात्र अध्ययन करेंगे। इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को मानव जाति और पर्यावरणीय जटिलताओं के बारे में पढ़ाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बता दें कि प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक प्रदेशों के व्यापक मुद्दों को समझाया जाएगा, जिसका सामना मौजूदा समय में पूरा मानव जगत कर रहा है। प्रो. श्रीवास्तव के मुताबिक बोर्ड ऑफ स्टडीज से इसे पास कर दिया गया है। अगले सप्ताह प्रस्तावित फैकल्टी बोर्ड की बैठक में भी रखा जाएगा।

- भूगोल विभाग के पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव
- स्नातक सातवें सेमेस्टर में एक नया पेपर जोड़ा गया

मेथडोलॉजी और टर्म पेपर को भी जोड़ा गया

भूगोल विभाग के स्नातक आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव किया गया है। पूर्व में आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था। इसे सभी सेमेस्टर की तरह 20 क्रेडिट का कर दिया गया है। मेजर प्रोजेक्ट में चार-चार क्रेडिट का रिसर्च मेथाडोलॉजी और टर्म पेपर होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि उद्देश्य छात्रों को रिसर्च के लिए तैयार करना है।

दो नए वोकेशनल कोर्स की शुरूआत: भूगोल विभाग के प्रथम सेमेस्टर के कोकरिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जॉग्रफी का पेपर जोड़ा गया है। यह पेपर दो क्रेडिट का होगा। इसमें विद्यार्थी भूगोल की मूलभूत संकल्पनाओं को समझेंगे।

शिक्षकों को ट्रेनिंग देकर अपग्रेड करेंगे

लखनऊ। एलयू और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को आज के दौर के हिसाब से अपग्रेड किया जाएगा। शिक्षकों को एनईपी, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हायर एजुकेशन सोसाइटी और स्किल डेवलेपमेंट समेत कई विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। आठ से 19 अप्रैल तक प्रशिक्षण होगा।

निदेशक प्रो. कमल कुमार का कहना है कि एलयू स्थित यूजीसी के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण होगा।

लॉ फेस्ट में एडीआर ड्राफ्टिंग का महत्व बताया

लखनऊ। एलयू के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी की ओर से तीन दिवसीय द्वितीय नेशनल लॉ फेस्ट की शुरूआत हुई। उच्च न्यायालय के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी कमेटी के महत्व को समझाया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह और प्रो. हरिश्चंद्र राम उपस्थित रहे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विद्यार्थी अब पढ़ेंगे सांस्कृतिक भूगोल

लखनऊ विश्वविद्यालय : स्नातक के सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में जोड़ा गया नया पाठ

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब सांस्कृतिक भूगोल का पाठ भी पढ़ेंगे। पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रदेश की प्राकृतिक विशेषताओं और पर्यावरण के बारे में जानने-समझने का मौका मिलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में स्नातक के सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल का नया पाठ जोड़ा गया है।

भूगोल के विभागाध्यक्ष प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इस पेपर का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव जाति एवं उसकी पर्यावरणीय जटिलताओं से परिचित कराना है। इसमें प्रदेश के बारे में विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को यह भी पढ़ाया जाएगा कि निवासियों के लिए प्रदेश में क्या बड़ी चुनौतियां हैं? यह पेपर चार क्रेडिट का होगा।

आपदा प्रबंधन की भी होगी पढ़ाई : बदलाव के बाद सेमेस्टर चार के वोकेशनल कोर्स में आपदा प्रबंधन का पेपर जोड़ा गया है। यह पेपर दो क्रेडिट का होगा। इसका मकसद विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा प्रबंधन के संबंध में विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विकसित करना है। इसमें विभिन्न आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कम करने के तरीकों के बारे में बताया जाएगा।

आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी किया गया बदलाव

प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी बदलाव किया गया है। अब तक आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था अब यह 20 क्रेडिट का होगा। इसमें रिसर्च मेथाडोलॉजी और टर्म पेपर को चार-चार क्रेडिट का रखा गया है। रिसर्च प्रोजेक्ट और डिसर्टेशन को 12 क्रेडिट का रखा गया है। इसका मकसद विद्यार्थियों को रिसर्च मेथाडोलॉजी का व्यावहारिक उपयोग बताना है। इसी तरह सेमेस्टर फर्स्ट के को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जियोग्राफी का पेपर जोड़ा गया है। यह दो क्रेडिट का होगा। द्वितीय सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस का पेपर जोड़ा गया है। यह दो क्रेडिट का होगा। यह छात्रों के कौशल विकास से संबंधित है।

डीफार्मा व बीएलएड में दाखिले के लिए आवेदन शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएलएड और डीफॉर्मा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। दोनों पाठ्यक्रमों में आवेदन के लिए ऑनलाइन लिंक विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट के जरिये फॉर्म भर सकते हैं। इससे पहले पंजीकरण फॉर्म भरना जरूरी होगा। दो वर्षीय डीफॉर्मा में 60 सीटें हैं। बीएलएड पाठ्यक्रम सिर्फ कॉलेजों में लागू है, लेकिन एनसीटीई की अनिवार्यता से दाखिले विवि स्तर पर ही किए जाते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

एमबीए की सेमेस्टर परीक्षाएं 25 से : लखनऊ विश्वविद्यालय में 25 अप्रैल से एमबीए के विभिन्न सेमेस्टर व बैक पेपर की परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा नियंत्रक ने इस संबंध में आदेश जारी किया। एमबीए द्वितीय, चतुर्थ व पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 मई तक चलेंगी। (संवाद)

एडीआर ड्राफ्टिंग कमेटी का बताया महत्व

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी की ओर से तीन दिवसीय नेशनल लॉ फेस्ट का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। उच्च न्यायालय के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी, एडिशनल एडवोकेट जनरल कुलदीप त्रिपाठी भी शामिल हुए। सुभाष ने एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी कमेटी के महत्व को समझाया। इस दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी हुई। कमेटी की प्रेसिडेंट आरजू नायाब ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। (संवाद)

NBT PAGE 4

जनजातियों के बारे में पढ़ेंगे BA भूगोल के छात्र

एनबीटी सं, लखनऊ: एलयू में बीए भूगोल के कोर्स में कुछ बदलाव किए गए हैं। सातवें सेमेस्टर के कोर्स में सांस्कृतिक भूगोल का प्रश्न पत्र जोड़ा गया है। इसमें भील, गोंड, टोडा, नागा व अन्य भारतीय जनजातियों के अलावा विदेशी जनजातियों एस्किमो, पिग्मी और बुशमैन की लोक संस्कृति व अन्य चीजों के बारे में पढ़ाया जाएगा। भूगोल विभाग के हेड प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह पेपर चार क्रेडिट का है। इसी तरह आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रॉजेक्ट अब 20 क्रेडिट का कर दिया गया है। इसमें रिसर्च मेथोडॉलजी और टर्म पेपर होगा। इसमें स्टूडेंट्स को थीसिस बनाना होगा।

LU में पाठ्यक्रम में बदलाव, हर सेमेस्टर में जोड़े गए एक्स्ट्रा पेपर

पहले और दूसरे सेमेस्टर में भी बदलाव: पहले सेमेस्टर के को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जॉग्रफी का पेपर जोड़ा गया है। यह पेपर दो क्रेडिट का होगा। इसी तरह दूसरे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एंड ग्लोबल इन्फॉर्मेशन (जीआईएस) का पेपर जोड़ा गया है। यह भी दो क्रेडिट का होगा।

टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम 8 से 19 अप्रैल तक

एनबीटी सं., लखनऊ: शिक्षकों को अपग्रेड करने के लिए एलयू के मालवीय मिशन ट्रेनिंग सेंटर में 8 से 19 अप्रैल तक ट्रेनिंग प्रोग्राम चलेगा। सेंटर निदेशक प्रो. कमल कुमार ने बताया कि सरकारी, अनुदानित और प्राइवेट शैक्षणिक संस्थानों के यूजी और पीजी के शिक्षकों को 'एनईपी' की जानकारी दी जाएगी।

बताया एडीआर ड्राफ्टिंग का महत्व

एनबीटी सं., लखनऊ: एलयू के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी ने शुक्रवार से तीन दिवसीय द्वितीय नेशनल लॉ फेस्ट की शुरूआत की। पहले दिन उच्च न्यायालय के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी कमेटी का महत्व समझाया। यूपी सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल कुलदीप पति त्रिपाठी ने मैकेनिज्म को प्रमोट करने के लिए कहा।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स अब सीखेंगे आपदा प्रबंधन की तकनीक

आपदा प्रबंधन के महारथी बनेंगे स्टूडेंट

GOOD NEWS

LUCKNOW (5 APRIL): लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के स्टूडेंट्स अब आपदा प्रबंधन की तकनीक भी सीखेंगे. इसके लिए विभाग ने वोकेशनल कोर्स में इसे पेपर के रूप में शामिल किया है. वही, पहले, सातवें और आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी बदलाव करते हुए कुछ नही चीजें शामिल की गई हैं. हाल ही में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस पर सहमति बनी है. आगामी फैकल्टी बोर्ड और एकेडमिक काउंसिल से इसे मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जाएगा.

को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जियोग्राफी

प्रथम सेमेस्टर के को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जियोग्राफी का पेपर जोड़ा गया है. यह दो क्रेडिट का होगा. इसमें विद्यार्थी भूगोल की मूलभूत संकल्पनाओं को समझेंगे. दूसरे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एंड जीआइएस (ग्लोबल इंफार्मेशन सिस्टम) का दो क्रेडिट वाला पेपर भी शामिल किया गया है. यह छात्र-छात्राओं के कौशल विकास से संबंधित है. वर्तमान में इस तकनीक का प्रयोग नियोजन, प्रबंधन आदि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है जो काफी प्रासंगिक है.

ये भी हुआ बदलाव

सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल का प्रश्न पत्र जोड़ा गया है. यह पेपर चार क्रेडिट का है. इसमें विद्यार्थियों को मानव जाति एवं उसकी पर्यावरणीय जटिलताओं के साथ-साथ प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक प्रदेशों के विभिन्न व्यापक मुद्दों को समझाया जाएगा.

आठवें सेमेस्टर में व्यापक बदलाव

आठवें सेमेस्टर में व्यापक बदलाव किया गया है. पहले आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था. अब इसे सभी सेमेस्टरो की तरह 20 क्रेडिट का किया गया है. इसमें रिसर्च मेथाडोलाजी और टर्म का पेपर चार-चार क्रेडिट का होगा. इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध के प्रति बढ़ावा देना है. रिसर्च प्रोजेक्ट/ डिसर्टेशन 12 क्रेडिट का होगा. इसमें बताया जाएगा कि सीखे गए रिसर्च मेथाडोलाजी का व्यावहारिक उपयोग कैसे करना है.

दो क्रेडिट का कोर्स

भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में आपदा प्रबंधन पेपर रखा गया है जो दो क्रेडिट का होगा. यह विद्यार्थियों के कौशल विकास से संबंधित है. इसके अध्ययन से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा प्रबंधन के संबंध में विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विकसित होगा. विद्यार्थी यह भी सीखेंगे कि विभिन्न आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कैसे कम किया जाए.

आठ तक जमा करें प्रवेश की फीस रसीद

एलयू में जिन छात्र-छात्राओं ने पीएचडी में प्रवेश की फीस जमा कर दी है, उन्हें संबंधित विभाग में आवंटन पत्र और फीस रसीद आठ अप्रैल तक जमा करनी होगी. प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी किया गया है. वहीं, अंग्रेजी विभाग ने भी इसको लेकर निर्देश जारी किए हैं. यहां पीएचडी छात्र-छात्राओं को आठ अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर एक बजे के बीच अभिलेखों के साथ रिपोर्ट करनी होगी.

JAGRAN CITY PAGE III

एमबीए की सम सेमेस्टर परीक्षाएं 25 से

जासं, लखनऊ : लवि ने शुक्रवार को इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में संचालित एम.बी.ए दूसरे, चौथे और पांच वर्षीय एम.बीए के दसवें सेमेस्टर की समय सारिणी जारी कर दी। छात्र-छात्राएं लवि की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

एम.बी.ए (फाइनेंस एंड कंट्रोल), एचआर, आइबी, ई एंड एफबी दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 अप्रैल से 11 मई तक होंगी। इसके चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 30 अप्रैल से 25 मई तक संचालित होंगी। परीक्षा का समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहेगा। एम.बी.ए (पांच वर्षीय) दसवें सेमेस्टर की परीक्षाएं छह और आठ मई को होंगी।

आपदा प्रबंधन के गुर सीखेंगे विद्यार्थी

लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग ने वोकेशनल कोर्स में शामिल किया पेपर

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के छात्र-छात्राएं अब आपदा प्रबंधन की तकनीक भी सीखेंगे। इसके लिए विभाग ने वोकेशनल कोर्स में इसे पेपर के रूप में शामिल किया है। वहीं, पहले, सातवें और आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में भी बदलाव करते हुए कुछ नहीं चीजें शामिल की गई हैं। हाल ही में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस पर सहमति बनी है। आगामी फैकल्टी बोर्ड और एकेडमिक काउंसिल से इसे मंजूरी मिलने के बाद लागू किया जाएगा।

भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में आपदा प्रबंधन पेपर रखा गया है जो दो क्रेडिट का होगा। यह विद्यार्थियों के कौशल विकास से संबंधित है। इसके अध्ययन से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा प्रबंधन के संबंध में विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विकसित होगा। विद्यार्थी यह भी सीखेंगे कि विभिन्न आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कैसे कम किया जाए।

को-करिकुलर कोर्स में पढ़ेंगे फंडामेंटल जियोग्राफी : प्रथम सेमेस्टर के को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जियोग्राफी का पेपर जोड़ा गया है। यह दो क्रेडिट का होगा। इसमें विद्यार्थी भूगोल की मूलभूत संकल्पनाओं को समझेंगे। दूसरे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एंड जीआइएस (जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम) का दो क्रेडिट वाला पेपर भी शामिल किया गया है। यह छात्र-छात्राओं के कौशल विकास से संबंधित है। वर्तमान में इस तकनीक का प्रयोग नियोजन, प्रबंधन आदि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है जो काफी प्रासंगिक है।

ये भी हुआ बदलाव : सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल का प्रश्न पत्र जोड़ा गया है। यह पेपर चार क्रेडिट का है। इसमें विद्यार्थियों को मानव जाति एवं उसकी पर्यावरणीय जटिलताओं के साथ-साथ प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक प्रदेशों के विभिन्न व्यापक मुद्दों को समझाया जाएगा।

आठवें सेमेस्टर में व्यापक बदलाव

आठवें सेमेस्टर में व्यापक बदलाव किया गया है। पहले आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था। अब इसे सभी सेमेस्टरों की तरह 20 क्रेडिट का किया गया है। इसमें रिसर्च मेथाडोलाजी और टर्म का पेपर चार-चार क्रेडिट का होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को शोध के प्रति बढ़ावा देना है। रिसर्च प्रोजेक्ट/ डिसर्टेशन 12 क्रेडिट का होगा। इसमें बताया जाएगा कि सीखे गए रिसर्च मेथाडोलाजी का व्यावहारिक उपयोग कैसे करना है।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि के छात्र पढ़ेंगे सांस्कृतिक भूगोल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पर्यावरण और प्राकृतिक मुद्दों को सीखने और हल करने का मिलेगा मौका
- पाठ्यक्रमों के क्रेडिट में भी किए गए हैं आंशिक परिवर्तन जटिलताओं के निकलेंगे हल

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब छात्र सांस्कृतिक भूगोल भी पढ़ सकेंगे। नए पाठ्यक्रम की मदद से पर्यावरण, प्राकृतिक व अन्य मुद्दों को विस्तार से सीखने का मौका मिलेगा।

लविवि के भूगोल विभाग में 7वें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल के प्रश्न पत्र को शामिल किया गया है। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव बताते हैं कि नए पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव जाति एवं उसकी पर्यावरणीय जटिलताओं के साथ-साथ प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों को समझाना है। नई व्यवस्था के तहत वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एण्ड ग्लोबल इन्फॉमेर्शन सिस्टम (जीआईएस) का पेपर भी जोड़ा गया है। ये दो क्रेडिटों से जुड़ा विषय छात्रों के कौशल विकास से संबंधित है। इसकी मदद से छात्रों को प्रयोग नियोजन, प्रबंधन आदि विभिन्न क्षेत्रों को जानने का मौका मिलेगा।

आपदा प्रबंधन के सहारे विकसित होगा दृष्टिकोण : सेमेस्टर चार के वोकेशनल कोर्स में आपदा प्रबंधन को शामिल किया गया है। दो क्रेडिट का ये पाठ्यक्रम छात्रों के कौशल विकास से संबंधित है। इसके अध्ययन से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा प्रबंधन के संबंध में विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कम करने की विधियां भी सिखाई जाएंगी।

रिसर्च मेथाडोलॉजी और टर्म पेपर को मिले चार क्रेडिट : सांस्कृतिक भूगोल के आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में नई व्यवस्था के तहत बदलाव किया गया है। पूर्व में 8वें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था। लेकिन अब ये 20 क्रेडिट का है। इसमें रिसर्च मेथाडोलॉजी और टर्म पेपर को चार - चार क्रेडिट का रखा गया है।

रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए मिलेंगे 12 क्रेडिट : नए विषय के सहारे छात्रों को रिसर्च प्रोजेक्ट अथवा डिसर्टेशन के लिए 12 क्रेडिट दिये गए हैं। इसकी मदद से रिसर्च मेथाडोलॉजी का व्यवहारिक उपयोग और स्वरूप तय होगा। फंडामेंटल जियोग्राफी के पेपर को दो क्रेडिट मिले हैं। इसमें विषय की बारीकियां समझाई जाएंगी।

क्या है सांस्कृतिक भूगोल

सांस्कृतिक भूगोल मानव भूगोल का उपक्षेत्र है। विभिन्न राष्ट्रों और संस्कृतियों के अध्ययन के पहले निशान टॉलेमी या स्ट्रैबो जैसे प्राचीन भूगोलवेत्ताओं के समय के माने जा सकते हैं। शैक्षणिक अध्ययन के रूप में सांस्कृतिक भूगोल सबसे पहले 20वीं सदी के शुरूआती पर्यावरणीय नियतिवादी सिद्धांतों के विकल्प के रूप में उभरा है। लोग और समाज उस वातावरण से नियंत्रित होते हैं जिसमें वे विकसित होते हैं। पूर्व निर्धारित क्षेत्रों का अध्ययन करने के बजाय, सांस्कृतिक भूगोल सांस्कृतिक परिदृश्यों में रुचि लेने लगा।

लखनऊ विवि कराएगा एमबीए की परीक्षाएं

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एमबीए से जुड़े बैक पेपर कराएगा। विवि से संबद्ध इस्टीट्यूट आफ मैनेजमेण्ट साइंस से जुड़े विषयों में एमबीए, एचआर, मार्केटिंग सहित अन्य विषय हैं। परीक्षाओं में रेगुलर, बैक पेपर सहित अन्य परीक्षाएं आयोजित कराई जाएंगी। 25 अप्रैल से शुरू होने वाली परीक्षाएं 24 मई तक चलेंगी। उधर, बिजनेस प्लान और बिजनेस रिसर्च पेपर क्रमशः 6 और 8 मई को आयोजित होगा।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू द्वितीय नेशनल लॉ फेस्ट का शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी सोसाइटी के तीन दिवसीय द्वितीय नेशनल लॉ फेस्ट का शुभारंभ हुआ। उच्च न्यायालय के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी, एलयू विधि संकाय के हेड प्रो. बीडी सिंह, प्रो. हरिश्चंद्र राम मौजूद रहे। जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी कमेटी के महत्व को समझाया। कुलदीप पति त्रिपाठी ने इसके मैकैनिज़्म को प्रमोट करने के लिए कहा। प्रो. बीडी सिंह व प्रो. हरिश्चंद्र राम ने तीन दिवसीय लॉ फ़ेस्ट की सफलता के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। एडीआर ड्राफ्टिंग एंड लिटरेरी कमेटी की प्रेसिडेंट आरज़ू नायाब ने आभार व्यक्त किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि ने भूगोल पाठ्यक्रम में जोड़ा सांस्कृतिक प्रश्न पत्र

लखनऊ। लविवि के भूगोल विभाग में सातवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक भूगोल का प्रश्न पत्र जोड़ा गया है। यह पेपर चार क्रेडिट का है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मानव जाति एवं उसकी पर्यावरणीय जटिलताओं के साथ-साथ प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक प्रदेशों के उन व्यापक मुद्दों को समझाना है जिसका सामना आज संपूर्ण मानव जगत कर रहा है।

आठवें सेमेस्टर के पाठ्यक्रम में व्यापक बदलाव किया गया है। पूर्व में आठवें सेमेस्टर में 24 क्रेडिट का मेजर प्रोजेक्ट था अब इसे सभी सेमेस्टरों की भांति ही 20 क्रेडिट का किया गया है, जिसमें रिसर्च मेथाडोलॉजी और टर्म पेपर को चार-चार क्रेडिट का रखा गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को शोधाभिमुख करना है तथा रिसर्च प्रोजेक्ट व डिसर्टेशन को 12 क्रेडिट का रखा गया है, जिसका उद्देश्य सीखे गए रिसर्च मेथाडोलॉजी का व्यावहारिक उपयोग कैसे करना है अर्थात विधार्थी को डिसर्टेशन बनाना होगा। सेमेस्टर फर्स्ट के को-करिकुलर कोर्स में फंडामेंटल जियोग्राफी का पेपर जोड़ा गया है, जो कि दो क्रेडिट का होगा जिसमें विद्यार्थी भूगोल की मूलभूत संकल्पनाओं को समझेंगे। सेमेस्टर द्वितीय के वोकेशनल कोर्स में फंडामेंटल रिमोट सेंसिंग एंड जीआईएस का पेपर जोड़ा गया है। यह दो क्रेडिट का होगा जो कि छात्रों के कौशल विकास से संबंधित है वर्तमान में इस तकनीक का प्रयोग नियोजन, प्रबंधन आदि विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा है जो की अत्यंत प्रासंगिक है। सेमेस्टर चार के वोकेशनल कोर्स में आपदा प्रबंधन पेपर रखा गया है जो कि दो क्रेडिट का होगा यह भी विद्यार्थियों के कौशल विकास से संबंधित है इसके अध्ययन से विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदा प्रबंधन के संबंध में विद्यार्थियों का दृष्टिकोण विकसित होगा तथा विद्यार्थी यह भी सीखेंगे कि विभिन्न आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कैसे कम किया जाए।

TOI PAGE 3

LU to introduce GIS, remote sensing as vocational courses

Times News Network

Lucknow: Cultural geography, which examines relationships between people and environment and the ways in which culture influences and is influenced by geographical space, will be introduced for students opting for geography as a paper in the seventh semester of the UG course in Lucknow University.

Besides, from the 2024-25 academic session Geographical Information Systems (GIS) and Remote Sensing will also be introduced as vocational courses as the UG course which was otherwise taught at PG level. In fact, it has been added as a vocational course in Semester II.

"Cultural geography is often referred to as human geography. The major cultural phenomena studied in cultural geography include language, religion, economic and governmental structures, art, music and other cultural aspects that explain how or why people function the way they do in the areas where they live," said Arun Dwivedi, lecturer at LU's geography department. For example, anthropologists have found that the movement of wind, sea and birds saved the five indigenous tribes on the Indian archipelago of the Andaman and Nicobar Islands from the tsunami that hit the Asian coast on December 26. It is therefore essential for a geographer to study cultural geography. The subject also deals with cultural landscapes, which are important because they link culture to the physical environment in which people live, he added.

"Fundamental geography paper has been added as the co-curricular course of the first semester in which students will understand the basic concepts of geography," he said. Dwivedi said that another skill-based subject — disaster management — has been introduced as a vocational course in the fourth semester.